

## टीबी नियंत्रण हेतु विश्व बैंक के साथ समझौता

### चर्चा में क्यों?

विश्व बैंक (World Bank) और भारत सरकार ने टीबी नियंत्रण हेतु गुणवत्तापरक उपायों में वृद्धि करने के उद्देश्य से 400 मिलियन डॉलर के एक ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं।

### मुख्य बंदि

- ज्ञातव्य है कि भारत में टीबी से प्रतिवर्ष लगभग 480,000 लोगों की मृत्यु हो जाती है।
- इससे वर्ष 2025 तक देश को टीबी से मुक्त करने की योजना में सहायता मिलेगी।
- इससे औषधि प्रतिरिधी टीबी के बेहतर नदिन और प्रबंधन में मदद मिलेगी। साथ ही देश में टीबी की जाँच तथा उपचार में जुटे सार्वजनिक संस्थानों की क्षमता में भी वृद्धि होगी।
- इंटरनेशनल बैंक फॉर रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट (International Bank for Reconstruction and Development – IBRD) से 400 मिलियन डॉलर के ऋण की परपिक्रता 19 वर्ष की है, जिसमें 5 वर्ष की छूट अवधि भी शामिल है।

### तपेदकि (TB) क्या है?

इस रोग को 'कषय रोग' या 'राजयकषमा' के नाम से भी जाना जाता है। यह 'माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस' नामक बैक्टीरिया से फैलने वाला संक्रामक एवं घातक रोग है। सामान्य तौर पर यह केवल फेफड़ों को प्रभावित करने वाली बीमारी है, परंतु यह मानव-शरीर के अन्य अंगों को प्रभावित कर सकती है।

### भारत की प्रतबिद्धता

भारत में तपेदकि उन्मूलन के लिये राष्ट्रीय रणनीतिक योजना के 4 स्तम्भ हैं, जो तपेदकि नियंत्रण के लिये प्रमुख चुनौतियाँ हैं जनिहें "पता लगाना, इलाज, रचना और रोकथाम" नाम दिया गया है।

### भारत में तपेदकि नियंत्रण की प्रमुख चुनौतियाँ

- पहली चुनौती तपेदकि से पीड़ित उन लोगों तक पहुँचना है जनि तक अभी पहुँचा नहीं जा सका है।
- यह सुनिश्चित करना कि आबादी के संवेदनशील हिस्से जैसे- आदिवासियों, शहरी मलिन बस्तियों में रहने वाले लोगों तक पहुँचा जाए। सभी मरीजों का शुरुआती नदिन और उन्हें सही तथा संपूर्ण इलाज उपलब्ध कराना महत्त्वपूर्ण है।
- इन चुनौतियों में त्वरति सूक्ष्मतम परीक्षणों के साथ मुफ्त नदिन, सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता वाली दवाओं और परहेज के साथ मुफ्त इलाज, मरीजों को वृत्तीय और पोषण संबंधी सहायता, ऑनलाइन तपेदकि अधिसूचना प्रणाली, मोबाइल प्रोद्योगिकी आधारति नगिरानी प्रणाली, नज्जि कषेत्र के बेहतर जुड़ाव के लिये इंटरफेज एजेंसियाँ, पारदर्शी सेवा खरीद योजनाओं के लिये नीति, मजबूत सामुदायिक जुड़ाव, संचार अभियान, तपेदकि के इलाज के लिये दवाएँ खाने वाले सभी लोगों के बारे में सूचना एकत्र करने के लिये नियंत्रण प्रणाली आदि शामिल हैं।

### प्रयास तथा संभावनाएँ

- जनि इलाकों में सामाजिक और भौगोलिक दृष्टि से पहुँचना कठिन है वहाँ मरीजों तक पहुँचने के लिये सरकार ने कुछ चुने हुए इलाकों में तपेदकि के मामलों का पता लगाने का सक्रिय अभियान शुरु किया है।
- शहरी स्वास्थ्य मशिन के ज़रिये शहरी मलिन इलाकों में तपेदकि के मामलों का पता लगाने के प्रयास किये जाएंगे।
- इसमें सूचना प्रोद्योगिकी का भी इस्तेमाल करते हुए प्रत्येक टीबी रोगी का वविरण नकिषय वेब पोर्टल पर अंकित किया जा रहा है।
- भारत दुनिया में तपेदकि की दवाओं का प्रमुख निरमाता है। विश्व बाज़ार में इनका करीब 80 प्रतिशत हिस्सा भारत में निरमित होता है। हम देश या वदिश में मरीजों को सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता की दवाएँ देते हैं। भारत को विश्व के साथ मलिकर तपेदकि के मरीजों के लिये जेनरकिक दवाओं को बढ़ावा देने के बारे में गंभीरता से वचिर-वमिरश करना चाहिये।

## वशिव बैंक :

- वशिव बैंक संयुक्त राष्ट्र की ऋण प्रदान करने वाली एक वशिष्ट संस्था है, इसका उद्देश्य सदस्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं को एक वृहद वैश्विक अर्थव्यवस्था में शामिल करना तथा विकासशील देशों में गरीबी उन्मूलन के प्रयास करना है।
- यह नीतिसुधार कार्यक्रमों एवं संबंधित परियोजनाओं के लिये ऋण प्रदान करता है। वशिव बैंक की सबसे खास बात यह है कियह केवल विकासशील देशों को ऋण प्रदान करता है।
- इसका प्रमुख उद्देश्य सदस्य राष्ट्रों को पुनर्निर्माण और विकास के कार्यों में आर्थिक सहायता प्रदान करना है।
- इसके अंतर्गत वशिव को आर्थिक तरक्की के मार्ग पर लाने, वशिव में गरीबी को कम करने, अंतर्राष्ट्रीय नविश को बढ़ावा देने, जैसे पक्षों पर बल दिया गया है।
- वशिव बैंक समूह का मुख्यालय वाशिंगटन डी. सी. (अमेरिका) में अवस्थित है।
- **वशिव बैंक में शामिल पाँच संस्थाएँ:**
  - अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक
  - अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ
  - अंतर्राष्ट्रीय वित्त नगिम
  - बहुपक्षीय नविश प्रत्याभूति एजेंसी
  - नविश संबंधी विवादों के नपिटान का अंतर्राष्ट्रीय केंद्र

स्रोत: पी. आई. बी.

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/agreement-with-the-world-bank-to-eliminate-tb>

